नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

युवा शक्ति को मजबूत करने की पहल

शनिवार को 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए 75 मिनट के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत - 2047, युवा शक्ति, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण को जिस तरह प्रमुखता दी गई, उससे सत्ता पक्ष के आगामी राजनीतिक नैरेटिव की तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट होती है. इस संबोधन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष देश की युवा आबादी और खासकर जेन जी को सीधे संबोधित करना है. एक करोड़ युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग जैसी घोषणाएं उस पीढ़ी की आकांक्षाओं को साधने का प्रयास हैं, जिसकी सबसे बड़ी चिंता रोजगार, कौशल और अवसर हैं. डिजिटल जनगणना में युवाओं की भागीदारी का आह्वान भी केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को शासन व्यवस्था का सहभागी बनाने का संदेश है. आने वाले वर्षों में यह वर्ग राजनीतिक रूप से निर्णायक भूमिका निभा सकता है. दूसरा बड़ा संदेश आत्मनिर्भरता और आर्थिक राष्ट्रवाद का है. भारत की आर्थिक प्रगति, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बढ़ती भूमिका और सेमीकंडक्टर तथा रक्षा उत्पादन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों का उल्लेख इस बात का संकेत है कि सरकार विकास को केवल जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों तक सीमित नहीं रखना चाहती. 'जीरो डिफेक्ट' उत्पादन और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की स्वीकार्यता के जरिए आत्मनिर्भर भारत को रोजगार, निर्यात और राष्ट्रीय गौरव से जोड़ने की कोशिश की जा रही है. इसी तरह महिला आरक्षण को जल्द से जल्द लागू करने की अपील भी राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है. दरअसल, महिला मतदाताओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को विकास और प्रतिनिधित्व से जोड़ना सत्ता पक्ष की स्वाभाविक रणनीति है. इसी तरह 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा सामाजिक कल्याण की राजनीति को विकास के व्यापक आख्यान से जोड़ता है. ऊर्जा सुरक्षा के लिए 'शक्ति की सप्त धारा' का विजन भी मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है. पश्चिम एशिया के तनाव और वैश्विक ऊर्जा अस्थिरता के बीच भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि रणनीतिक अनिवार्यता बन गई है. ऊर्जा, रक्षा और तकनीक को राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक विमर्श से जोड़ना इसी दूरगामी सोच का संकेत है. 'वंदे मातरम्' के 150 वें वर्ष के अवसर पर लाल किले से हुई विशेष प्रस्तुति ने संबोधन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का भाव भी दिया. यानी विकास के साथ राष्ट्रवाद, तकनीक के साथ आत्मनिर्भरता और युवा आकांक्षाओं के साथ राजनीतिक भागीदारी को एक ही व्यापक नैरेटिव में पिरोने का प्रयास हुआ. कुल मिलाकर, 15 अगस्त का यह संबोधन सरकार का रिपोर्ट कार्ड कम और विकसित भारत - 2047 की राजनीतिक पटकथा का प्रारूप अधिक दिखाई देता है. सत्ता पक्ष ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों की राजनीति केवल जातीय और पारंपरिक समीकरणों के भरोसे नहीं, बल्कि युवा आकांक्षाओं, तकनीकी क्षमता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव के नए मिश्रण पर केंद्रित होगी. लेकिन इस नैरेटिव की असली परीक्षा घोषणाओं में नहीं, उनके जमीन पर उतरने में होगी. नई पीढ़ी अब केवल सपने नहीं, उनके परिणाम भी चाहती है. इसलिए 2047 का रास्ता नारों से नहीं, रोजगार, अवसर, सुरक्षा और समान भागीदारी के ठोस परिणामों से होकर जाएगा.

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी का संबोधन

युवा विकसित भारत बनाने आगे आएं

दिलीप झा

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 77 मिनट के भाषण में लगातार विकसित हो रहे भारत का खाका खींचा और अपनी सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों को देश की जनता के सामने जबरदस्त तरीके से रखा। उन्होंने कहा कि आज 100 देशों में हमारे अस्त्र शस्त्र निर्यात हो रहे हैं। हमारा निर्यात 50 गुना बढ़ा है। तीन करोड़ लखपति दीदियों के सपने साकार हो रहे हैं और आने वाले दिनों में तीन करोड़ और दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत का 40 देशों के साथ फ्री ट्रेड संधि हुआ है। इसका लाभ हमें उठाना होगा। हमारे देश के युवाओं के लिए खासकर एमएसएमई क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सप्तधारा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि हमें दृढ़ संकल्प के साथ ग्लोबल सप्लाई चेन का भरपूर प्रयोग करना होगा और यह तभी संभव है जब हमारी गुणवत्ता वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ होगी। जीरो डिफेक्ट भारत की पहचान बनानी चाहिए। निर्माण शक्ति, कृषि और फूड प्रोसेसिंग, तकनीक और आविष्कार, गति शक्ति, रक्षा शक्ति,ग्रीन इकोनॉमी , भारत का सॉफ्ट पावर जैसे, योग, हमारी फिल्में, डिजिटल कंटेंट आदि ने विश्व को आकर्षित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत में 100 से ज्यादा नेशनल पार्क हैं। इनकी पब्लिसिटी जरूरी है। वहीं, ग्रीन और ब्लू इकोनॉमी में अपार अवसर हैं। आज फार्चून 500 में हमारी भी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। अपने रिफार्म को लक्ष्य बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं को अपने कौशल बढ़ाने होंगे। सरकार ने एक लाख करोड रुपए की व्यवस्था स्टार्टअप के लिए किए गए हैं। आज 2.50 लाख स्टार्टअप उद्योग लगाकर लोगों को रोजगार दे रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि विकास के नए आयाम स्थापित हो रहें रहे हैं। 2014 से पहले 350 यूनिवर्सिटी थी। आज 650 यूनिवर्सिटी हो गई है। चार करोड़ से ज्यादा विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण देंगे। बायो इकानॉमि 30 लाख करोड़ रुपए की हो गई है। तीन करोड़ लोगों को स्वामित्व मिला है। सरकार युवाओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए दक्ष बनाने के लिए फ्री कोचिंग की व्यवस्था करने जा रही है। ओलंपिक में 40 प्रकार के खेल होते हैं और 375 से प्रतिस्पर्धा होती है। टैलंट हंट का अभियान चलाकर 5 से 15 वर्ष के बच्चों को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से चयन कर उन्हें ओलंपिक के लिए तैयार किया जाएगा। हथियारी नक्सलियों का खात्मा तो हो गया लेकिन दिमागी नक्सलियों को हमें खत्म करना होगा। वे देश में हिंसा और अराजकता फैलाना चाहते हैं। इनसे हमें सावधान रहना चाहिए। वे युवाओं को भ्रमित करना चाहते हैं। सिविल डिफेंस का एक नेटवर्क हम तैयार करने जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हमारी बेटियां झंडा बुलंद कर रही है। आयुष्मान भारत योजना के कारण मध्यम वर्गीय लोगों के दो लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। डिजिटल जनगणना के लिए युवाओं को आगे आना होगा। आज भारत ने बड़ा संकल्प लिया कि 2047 तक यह एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आएगा। इसके लिए हमारे युवाओं को आगे आना होगा। पिछले 12 साल में हमने नई रफ्तार से कदम आगे बढ़ा रहे हैं। इंटरनेट कंज्यूमर चार गुणा बढ़े। हर साल तीन गुणा रफ्तार से लोगों के आवास बनाए गए हैं। आत्मनिर्भर भारत हमारी सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य है। मेक इन इंडिया, भोकल फॉर लोकल जैसे कदम से हम लगातार आगे बढ़ाया है। तीन सेमीकंडक्टर प्लांट की शुरुआत हो चुकी है और पांच साल में छह सेमीकंडक्टर प्लांट और खोले जाएंगे। क्रिटिकल मिनरल के क्षेत्र में हम आगे बढ़ते जा रहे हैं। एनर्जी सेक्टर में हम आगे बढ़ने के लिए संकल्पित है. इस क्षेत्र में हमने 85 हजार करोड़ रुपए खर्च कर ऊर्जा की मांग को पूरा करने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले केवल 70 शहरों में पाइप से गैस सप्लाई होती थी और और पिछले 12 साल में हम 700 शहरों में घरों में पाइप से गैस सप्लाई करवा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 1925 में रेलवे में इलेक्ट्रीफिकेशन की शुरुआत हुई थी लेकिन 90 साल में हम 30 प्रतिशत ही इलेक्ट्रीफिकेशन कर पाए थे लेकिन पिछले 12 में ही हमने 70 प्रतिशत रेलवे में इलेक्ट्रीफिकेशन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। आज हमारी तैयारी हर क्षेत्र में मजबूत है और इसलिए हमें विश्वास के साथ आगे ग्लोबल मार्केट पर अपनी पकड़ बनाकर अपने उत्पाद को पहुंचाना है। इसलिए यह जरूरी है कि हमें वर्क कल्चर को बदलना होगा।

(लेखक नवभारत समाचार पत्र भोपाल के संपादक हैं)

विंध्य की डायरी

राजनीतिक चुनौतियों के लिए कांग्रेस मजबूत कर रही संगठनात्मक ढांचा

डॉ. रवि तिवारी

विंध्य में कांग्रेस के संगठनात्मक ढ़ांचे को मजबूती के साथ खड़ा किया जा रहा है. क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिये संगठन सृजन अभियान और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण पर जोर पार्टी दे रही है. खासकर रीवा में बूथ, ब्लाक, मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारियों की सक्रियता और सत्यापन का काम तेजी से चल रहा है. मौजूदा जिलाध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा अहम भूमिका निभा रहे है. ब्लाक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को खड़ा करने के साथ कमेटियों का गठन किया गया है. निश्चित तौर पर जिलाध्यक्ष की लगन और पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा का ही परिणाम है कि रीवा में आज कांग्रेस का संगठन भाजपा की तरह मजबूती के साथ खड़ा हो गया है. आगामी आने वाले चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पूरा फोकस संगठन पर कर रही है. विंध्य के अन्य जिलों में संगठन की स्थित उतनी मजबूत नही है जितनी रीवा में हुई है. यहां भव्य जिला कांग्रेस कार्यालय भवन का शिलान्यास भी हो चुका है. जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को स्थाई केन्द्र मिल जाएगा. विंध्य कभी कांग्रेस का गढ़ था लेकिन पिछले कई वर्षों से वनवास की स्थित बनी हुई है. जिस प्रकार से संगठन को लेकर तैयारी चल रही है उससे लग रहा है कि कांग्रेस ने भाजपा से निपटने के लिये रणनीति के तहत अपनी राजनीतिक तैयारी अभी से शुरू कर दी है. रीवा में अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने पार्टी को नए तरीके से खड़ा करने के साथ नई ऊर्जा प्रदान की है. उनके द्वारा पूरा फोकस संगठन को नीचे तक मजबूत करने की पहल शुरू की गई है. परिणाम स्वरूप आज नीचे के पायदान तक संगठन नजर आ रहा है. आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावों को देखते हुए कांग्रेस रीवा सहित पूरे विंध्य में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में जुटी है.

मिठाई के लिए भिड़ गए दो प्रोफेसर

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण के पश्चात मिष्ठान वितरण का कार्यक्रम हुआ. जहां कई वरिष्ठ प्रोफेसर पहुंचे. सब कुछ सकरात्मक और अच्छा चल रहा था इसी बीच दो वरिष्ठ प्रोफेसर मिष्ठान को लेकर तूत-मैं पर आ गये और इसके बाद बात इस कदर बढ़ी की दोनो ने आपा खो दिया और सभी के सामने एक-दूसरे को मारने के लिये कुर्सी तक उठा ली. शायद दोनो अपने पद की गरिमा और गुरू की मर्यादा को भूल चुके थे. यह नाराजा देख आसपास खड़े प्रोफेसर बीच-बचाव करने पहुंचे और मामले को किसी तरह शांत कराया.

नाराज भाजपा विधायक धरने पर

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व रीवा के जवा मुख्यालय में तिरंगा यात्रा निकालने पहुंचे सिरमौर से भाजपा विधायक दिव्यराज सिंह प्रशासनिक नाकामी से नाराज होकर धरने पर बैठ गये. स्थानीय समस्याओं को लेकर विधायक ने अधिकारियों से फोन पर बात की और जब सकरात्मक जवाब नही आया तो वह सीएफटी भवन पहुंचे और धरने में बैठ गये. समर्थकों के साथ कलेक्टर को मौके में बुलाने पर अड़ गये. विधायक के धरने पर बैठते ही जिला पंचायत के सीईओ भी मैराथन दौड़ लगाते हुए मौके पर पहुंचे, तमाम आश्वासन दिये फिर भी विधायक जी का गुस्सा कम नही हुआ और देर रात कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी जब पहुंचे और आश्वासन दिया तब जाकर मामला शांत हुआ. अब सवाल यह उठता है कि माननीय विधायक को अधिकारी हल्के से लेते है क्या? या उनकी सुनी नही जाती. परिणाम स्वरूप सत्ताधारी दल का विधायक होने के बाद भी अपनी बात रखने के लिये धरने का सहारा लेना पड़ा. आखिर प्रशासन विधायक द्वारा उठाई गई समस्या को गंभीरता से क्यों नही लेते, यह भी एक बड़ा सवाल है. ऐसे में आम आदमी की भला कहां सुनवाई होगी.

भारतीय स्वतंत्रता का 80वां वर्ष और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

स्वतंत्र भारत ने 15 अगस्त 2026 को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया. वर्ष कुंडली के लाभ भाव में स्थित शनि देश की आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता और दीर्घकालिक योजनाओं के क्रमिक परिणामों का संकेत देता है। उद्योग, रोजगार, बड़े विकास प्रकल्पों तथा राष्ट्रीय आय में धीरे-धीरे लेकिन टिकाऊ वृद्धि के योग बनते हैं। दशम भाव का राहु सरकार, सत्ता और प्रशासन के क्षेत्र में अचानक घटनाक्रम तथा अप्रत्याशित राजनीतिक परिस्थितियां पैदा कर सकता है। चंद्रमा-केतु का प्रभाव जनभावनाओं में असमंजस

।। स्वतंत्र भारत का जन्म चक्र ।।

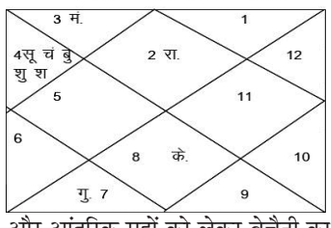

और आंतरिक मुद्दों को लेकर बेचैनी का संकेत देता है, जिससे भूमि, कृषि, शिक्षा, जन कल्याण और आंतरिक राजनीति से जुड़े विषय समय-समय पर प्रमुखता पा सकते हैं। द्वितीय भाव का मंगल राजकोष, व्यापार और

।। स्वतंत्र भारत का 80वाँ वर्ष ।।

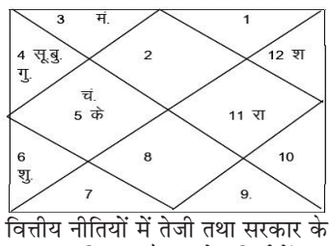

वित्तीय नीतियों में तेजी तथा सरकार के कुछ साहसिक और कठोर निर्णयों का संकेत देता है। शुक्र का प्रभाव शिक्षा, कला, संस्कृति, मनोरंजन और युवाओं से जुड़े क्षेत्रों में नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा। वहीं सूर्य-बुध-गुरु की प्रभावशाली युति संचार, तकनीक, परिवहन, सूचना-प्रसार और कूटनीति के क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत करने वाली है। इससे पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सक्रियता बढ़ने तथा अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की आवाज और प्रभाव को नई मजबूती मिलने के संकेत हैं। गुरु की नवम दृष्टि शनि पर पड़ने से शनि के विलंबकारी प्रभाव का शमन होगा और दीर्घकालिक योजनाओं की सफलता, नीतिगत स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति के योग और अधिक प्रबल होंगे।

ज्योतिषाचार्य पं. प्रियंका नारायण शंकर व्यास
कोतवाली बाजार, जबलपुर म.प्र.
मो.नं. 098266-21998

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जन्म कुंडली में चल रही मंगल की महादशा उनके राजनीतिक जीवन में साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, निर्णायक क्षमता और नेतृत्व शक्ति को बल प्रदान करती है। वर्ष 2026 में मंगल का प्रभाव उन्हें राजनीतिक रूप से सक्रिय और महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगा। हालांकि वर्ष के उत्तरार्ध में शनि, राहु और केतु का प्रभाव राजनीतिक विरोध, दबाव तथा कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों को जन्म दे सकता है। सरकार और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की सक्रियता तथा राजनीतिक बहस बढ़ने के संकेत भी दिखाई देते हैं। इस अवधि में स्वास्थ्य और मानसिक तनाव को लेकर भी सावधानी आवश्यक रहेगी। दूसरी ओर गुरु और बुध का प्रभाव उनकी रणनीतिक सोच, संगठन क्षमता, प्रशासनिक समझ और कूटनीतिक कौशल को मजबूती देगा। जन्म कुंडली एवं शपथ ग्रहण कुंडली में विद्यमान राजयोग तथा मंगल का बल कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। इसलिए 2026 का उत्तरार्ध राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण और परीक्षा का समय रह सकता है, लेकिन ग्रह योगों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूरदर्शिता, राजनीतिक अनुभव और मजबूत नेतृत्व क्षमता के आधार पर इन चुनौतियों का सामना करते हुए नेतृत्व में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहेंगे।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : कांति चक्रवर्ती

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12351 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3		4	■
5		■	6		■	7	8
	■	9			■	10	
11	12		■	■	13	■	
■	14		15	■	16	17	
18		■	19	20	■	21	22
	■	23			24	■	
25			■	26			■

ऊपर से नीचे
1. थाती, धरोहर (उर्दू) 2. सुग्रीव की पत्नी (सं.) 3. झगड़ा 4. हिलोर, तरंग 6. स्याह, कोयले के रंग का 8. बंदर की मादा 9. बादशाह अकबर के पुत्र का नाम 12. एक सदाबहार वृक्ष का नाम, पैर 13. पेड़ की त्वचा, वल्कल 15. अनुकरण, अनुकृति, प्रतिलिपि (उर्दू) 17. कुंजी से खुलने वाला और बंद होने वाला यंत्र 18. ज्ञान प्राप्त करना, खबर रखना, पहचानना 20. बंदर-भालू आदि का तमाशा दिखाने वाला बाजीगर 22. डर, खौफ 23. छोटा टुकड़ा, हीरे की कणिका 24. लीन, लिप्त

बाएं से दाएं
1. सिंदूर के रंग का, सूर्य (सं.) 3. पीलिया नामक रोग, एक पक्षी, कौर (सं.) 5. मातुल, मां का भाई (सं.) 6. समय, मृत्यु, अंत समय 7. वायु, पवन 9. सम्मति, राय, परामर्श 10. रण, युद्ध, जंगल 11. छोटा तकला, टेकुरी 14. किसी बात को बलपूर्वक दबाना 16. बैल 18. मदिरा पीने का पात्र (उर्दू) 19. अल्प, न्यून, थोड़ा 21. फायदा, कारोबार में होने वाला मुनाफा 23. कल से ढाला गया सिक्का, रुपया 25. नासमझी 26. रिक्त होना, खाली होना

Solution 12350

आ	द	त	न	■	अ	क	र
ई	■	ट	■	ध्व	ज	■	जा
ना	रा	■	■	■	मे	ग	ना
■	क्ष	मा	■	नी	र	स	■
के	स	र	■	द	■	ल	त
■	■	क	र	ना	■	ना	स
रा	म	■	जु	■	ज	■	ली
जा	न	■	■	प्रि	य	त	म

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारम्भ में स्वजनों से एवं मित्रों से मतभेद रहेगा. शारीरिक एवं मानसिक चिन्ता रहेगी. अति व्यस्तता एवं परेशानियों के कारण कार्य में मन नहीं लगेगा. वर्ष के मध्य में मित्रों के सहयोग से पूर्व निर्धारित कार्यों में सफलता मिलेगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. वर्ष के अन्त में वरिष्ठ अधिकारी का सहयोग एवं सामाजिक लाभ होगा. धार्मिक कार्यों में प्रसन्नता रहेगी. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट और मानसिक चिनता रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में सफलता मिलेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को स्वजनों से मतभेद हो सकता है. कर्क राशि के व्यक्तियों को धार्मिक कार्यों में सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को यथेष्ठ लाभ प्राप्त होने का योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को व्यस्तता रहेगी. मकर और कुम्भ राशि के व्यक्तियों को आशातीत सफलता के योग प्रबल हैं.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक महत्वाकांक्षी होगा, अपने कामकाज में अच्छी तरह निपुण होगा, बालक को जब क्रोध आयेगा, तो जल्द शांत नहीं होगा, अपनी मनमर्जी का मालिक होगा, व्यवहार कुशलता रहेगी, अन्याय को सहन नहीं करेगा, खेलों के प्रति रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

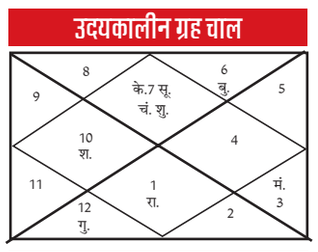

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2083 श्रावण शुक्ल पंचमीं चन्द्रवासरे शाम 6/50, हस्त नक्षत्रे प्रातः 6/48, साध्य योगे दिन 7/58, वव करणे सू.उ. 5/34, सू.अ. 6/26, चन्द्रचार कन्या रात 7/18 से तुला, पर्व- श्रीनाग पंचमीं, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल पंचमीं को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, गुड़ खांड, मूँग, मोठ, दलहन में तेजी होगी, जूट, पाट, बारदाना, सन् आदि मेंउतार चढ़ाव के साथ तेजी होगी, जूट, पाट, सन आदि में घटाबढ़ी होगी, गेहूँ, जौ, चना, का रूख नरमी का रहेगा. भाग्यांक 4254 है.

मेष- आप जिन लोगों को अपना विश्वासपात्र मान रहे हैं, वे नुकसान पहुंचायेंगे, सावधानी रखें.

वृषभ- आर्थिक दृष्टि से समय उतार चढाव वाला रहेगा, लापरवाहियों के कारण नुकसान होगा.

मिथुन- कार्यस्थल पर अपने व्यवहार को संयमित रखें, कार्य करवाने में आसानी होगी, बांधव विरोध होगा.

कर्क- जितनी मेहनत करेंगे, उतना ज्यादा लाभ होगा. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी.

सिंह- सफलता के बावजूद निराशा का अनुभव कर सकते हैं, दायित्वों की पूर्ति होगी, नवीन कार्यों में सुधार होगा.

कन्या- अकेलेपन से उबरने में दोस्त आपकी मदद करेंगे, आर्थिक मामलों में किसी तरह का जोखिम न लें,

तुला- बच्चों को जोखिम के कार्यो से दूर रखें, धन लाभ होगा, पारिवारिक सुख समृद्धि बढ़ेगी.

वृश्चिक- कार्यस्थल पर लोग विरोध करेंगे, लेकिन आप चतुराई से काम बना लेंगे. आत्म विश्वास बना रहेगा.

धनु- नये मित्र बनेंगे जो आगे बढ़ने मे सहायक रहेंगे, आर्थिक कार्यो में समस्याओं का समाधान होगा,

मकर- लोग आपका व्यवहार देखकर हर संभव मदद को तैयार रहेंगे, कामकाज में मन लगेगा.

कुम्भ- घर के बुजुर्ग की सलाह उपयोगी रहेगी, मनोरंजक यात्रा होगी, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें.

मीन- जरा सी गलती से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है, आकस्मिक लाभ का योग है. पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

CROSS WORD 12351 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3		4	■
5		■	6		■	7	8
	■	9			■	10	
11	12		■	■	13	■	
■	14		15	■	16	17	
18		■	19	20	■	21	22
	■	23			24	■	
25			■	26			■

ऊपर से नीचे
1. थाती, धरोहर (उर्दू) 2. सुग्रीव की पत्नी (सं.) 3. झगड़ा 4. हिलोर, तरंग 6. स्याह, कोयले के रंग का 8. बंदर की मादा 9. बादशाह अकबर के पुत्र का नाम 12. एक सदाबहार वृक्ष का नाम, पैर 13. पेड़ की त्वचा, वल्कल 15. अनुकरण, अनुकृति, प्रतिलिपि (उर्दू) 17. कुंजी से खुलने वाला और बंद होने वाला यंत्र 18. ज्ञान प्राप्त करना, खबर रखना, पहचानना 20. बंदर-भालू आदि का तमाशा दिखाने वाला बाजीगर 22. डर, खौफ 23. छोटा टुकड़ा, हीरे की कणिका 24. लीन, लिप्त

बाएं से दाएं
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

Solution 12350

आ	द	त	न	■	अ	क	र
ई	■	ट	■	ध्व	ज	■	जा
ना	रा	■	■	■	मे	ग	ना
■	क्ष	मा	■	नी	र	स	■
के	स	र	■	द	■	ल	त
■	■	क	र	ना	■	ना	स
रा	म	■	जु	■	ज	■	ली
जा	न	■	■	प्रि	य	त	म